नं. 1

संजीव®

बुक्स

सामाजिक विज्ञान-X

(1) भारत और समकालीन विश्व-2 (2) समकालीन भारत-2
(3) लोकतान्त्रिक राजनीति-2 (4) आर्थिक विकास की समझ

(कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

- **माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2026 के प्रश्न-पत्र का समावेश**
- **पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल**
- **शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश**
- **सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश**
- **योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित**

2027

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 280/-

प्रकाशक :
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
जयपुर-3
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

मूल्य : ₹ 280.00

लेजर टाइपसैटिंग :
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर, जयपुर

मुद्रक :
ओम प्रिन्टर्स, जयपुर
★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय 1-30

2. भारत में राष्ट्रवाद 30-61

खण्ड-II : जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

3. भूमण्डलीकृत विश्व का बनना 62-88

4. औद्योगीकरण का युग 88-109

खण्ड-III : रोजाना की जिन्दगी, संस्कृति और राजनीति

5. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया 110-131

समकालीन भारत-2 (भूगोल)

1. संसाधन एवं विकास 132-152

2. वन एवं वन्य जीव संसाधन 152-162

3. जल संसाधन 162-180

4. कृषि 180-199

5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 199-222

6. विनिर्माण उद्योग 222-242

7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ 242-262

लोकतान्त्रिक राजनीति-2 (राजनीति विज्ञान)

1. सत्ता की साझेदारी 263-277

2. संघवाद 278-299

3. जाति, धर्म और लैंगिक मसले 299-315

4. राजनीतिक दल 315-334

5. लोकतन्त्र के परिणाम 334-349

आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)

1. विकास	350–367
2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	367–394
3. मुद्रा और साख	395–417
4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	417–438
5. उपभोक्ता अधिकार	438–455
मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न	**456–471**

माध्यमिक परीक्षा, 2026

सामाजिक विज्ञान

(SOCIAL SCIENCE)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न संख्या 20 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 4 अंक का है। मानचित्र को प्रश्न पत्र से फाड़कर उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न करें।
8. प्रश्न संख्या 14 से 20 तक में आन्तरिक विकल्प हैं।

खण्ड-अ (Section-A)

बहुविकल्पात्मक प्रश्न (Multiple Choice Questions) :

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए—

(i) 'यंग इटली' नामक भूमिगत संगठन की स्थापना किसने की थी? 1
(अ) कैवूर (ब) गैरीबॉल्डी (स) इमेनुएल द्वितीय (द) ज्यूसेपे मेत्सिनी

(ii) निम्न में से कहाँ पर 1890 के दशक में 'रिंडरपेस्ट' नामक बीमारी बहुत तेजी से फैली? 1
(अ) आस्ट्रेलिया (ब) अफ्रीका (स) दक्षिण अमेरिका (द) यूरोप

(iii) औद्योगीकीकरण का एक प्रमुख सकारात्मक प्रभाव था— 1
(अ) बेरोजगारी (ब) प्रदूषण (स) गरीबी (द) उत्पादन में वृद्धि

(iv) निम्न में से कौन 'पेरियार' नाम से भी जाने जाते थे? 1
(अ) ई. वी. रामास्वामी नायकर (ब) भीमराव अंबेडकर
(स) ज्योतिबा फुले (द) गोविन्द गिरी

(v) वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट किस वर्ष लागू किया गया? 1
(अ) 1876 (ब) 1878 (स) 1880 (द) 1882

(vi) बांगर क्या है? 1
(अ) पुरानी जलोढ़ मृदा (ब) नवीन जलोढ़ मृदा (स) खादयुक्त मृदा (द) बिना खाद की मृदा

(vii) खड़ीन, जोहड़ और टांका उदाहरण हैं— 1
(अ) राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की स्थानीय संरचनाएँ
(ब) राजस्थान में कृषि का तरीका (स) एक प्रकार का बालु का स्तूप
(द) बाढ़ निर्मित संरचना

(viii) चूना पत्थर, सिलिका और जिप्सम कौन-से उद्योग का प्रमुख कच्चा माल हैं? 1
(अ) सीमेंट (ब) लोहा इस्पात (स) तांबा (द) चीनी

(ix) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के क्षेत्राधिकार में कौन-से राजमार्ग आते हैं? 1
(अ) राष्ट्रीय राजमार्ग (ब) राज्य राजमार्ग (स) जिला मार्ग (द) महा राजमार्ग

(x) निम्न में से एक शक्ति के उर्ध्वाधर वितरण का उदाहरण है— 1
(अ) कार्यपालिका (ब) न्यायपालिका (स) विधायिका (द) सामुदायिक सरकार

(xi) श्रीलंका स्वतन्त्र राष्ट्र बना— 1
(अ) 1946 (ब) 1947 (स) 1948 (द) 1949

(xii) अधिकारों एवं अवसरों के मामले में स्त्री व पुरुष की बराबरी मानने वाला व्यक्ति कहलाता है— 1
(अ) साम्प्रदायिक (ब) नारीवादी (स) धर्मनिरपेक्ष (द) जातिवादी

(xiii) कांशीराम ने निम्न में से किस दल का गठन किया? 1
(अ) समाजवादी पार्टी (ब) लोक दल
(स) बहुजन समाज पार्टी (द) जनता दल

(xiv) भारतीय जनता पार्टी ने निम्न में से किसका नेतृत्व किया? 1
(अ) संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (ब) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन
(स) संयुक्त मोर्चा (द) वाम मोर्चा

(xv) निम्न में से कौन-सा एक गैर नवीकरणीय संसाधन नहीं है? 1
(अ) पेट्रोल (ब) कोयला (स) खनिज (द) जल

(xvi) भारत में साख का सबसे बड़ा स्रोत है— 1
(अ) साहूकार (ब) सरकार (स) रिश्तेदार एवं मित्र (द) जमींदार

(xvii) यह व्यापार अवरोधक है— 1
(अ) निर्यात पर कर (ब) आयात पर कर (स) आयकर (द) इनमें से कोई नहीं

(xviii) एगमार्क किस वस्तु पर लगाया जाता है? 1
(अ) बिजली के उपकरण पर (ब) स्वर्ण आभूषण पर
(स) कृषि उत्पाद पर (द) ये सभी

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks)—

(i) 1804 की नागरिक संहिता को आमतौर पर ..... की संहिता के नाम से जाना जाता है। 1
(ii) रेगर ..... मृदा का नाम है। 1
(iii) वन विभाग के अनुसार देश के कुल वन क्षेत्र का ..... हिस्सा रक्षित है। 1
(iv) बेल्जियम की राजधानी का नाम ..... है। 1
(v) रेल्वे अथवा डाकघर ..... क्षेत्रक के उदाहरण हैं। 1
(vi) प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति वह मुख्य कारक है जिसने ..... की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया। 1

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए)—
Very Short Answer Type Questions (Answer the following questions in one word or in one line) :

(i) 'वीटो' से आप क्या समझते हैं? 1
What do you mean by 'Veto'?

(ii) मुद्रण संस्कृति से गरीब जनता को क्या लाभ पहुँचा? उदाहरण दीजिए। 1
What benefits did print culture bring to the poor? Give examples.

(iii) मुद्रण की पहली तकनीक किन देशों में विकसित हुई? कोई दो देशों के नाम लिखिए। ½+½=1
In which countries was the first printing technique developed? Write the names of any two countries.

(iv) सतत विकास क्या है? 1
What is sustainable development?

(v) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भूमिका को संक्षेप में लिखिए। 1
Write in brief the role of local communities in management of natural resource.

(vi) लोह और इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहते हैं? 1
Why the Iron and Steel industry is called a basic industry?

(vii) श्रीलंका में अधिकांश आबादी दो जातीय समूहों में बँटी हुई है। इन समूहों के नाम लिखिये। 1
The majority of population in Sri Lanka is divided into two ethnic groups. Write the name of these groups.

(viii) साम्प्रदायिकता के सबसे बुरे स्वरूप का एक उदाहरण दीजिये। 1
Give an example of the worst form of communalism.

(ix) राजनीति में गठबन्धन या मोर्चा से क्या अभिप्राय है? 1
What is meant by alliance or front in politics?

(x) सिक्कों के चलन से पहले किन चीजों का प्रयोग मुद्रा के रूप में होता था? लिखिए। 1
Write which things were used as currency before the introduction of coins?

(xi) अमेरिकी किसान अपने कृषि उत्पादों को असाधारण रूप से कम कीमत पर क्यों बेच सकते हैं? 1
Why are American farmers can sell their farm products at abnormally low prices?

(xii) 1960 के दशक में उपभोक्ता आन्दोलन के उदय के दो कारण दीजिए। ½×2=1
Give two reasons for the emerged of the Consumer Movement in the 1960s.

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)—

Short Answer Type Questions (Answer word limit approx. 50 words)—

4. 'उन्नीसवीं सदी में कलाकारों ने एक देश को कुछ यूँ चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो' कथन का परीक्षण कीजिए। 2
'In the nineteenth century, artists depicted a country as if it were a person'. Examine the statement.

5. द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल धुरी शक्तियों के नामों को सूचीबद्ध करें। 2
List the names of the Axis power involved in World War II.

6. भारत में सिंचित भूमि क्षेत्र के बढ़ने से उत्पन्न समस्याओं का वर्णन कीजिए। 2
Describe the problems arising due to increase in irrigated land area in India.

7. ''ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन है'' कथन के संदर्भ में ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण की विवेचना कीजिए। 2
Discuss conservation of energy resources in the context of the statement ''Energy Conservation is Energy Production''.

8. आपके अनुसार राजनीति में जाति अनेक रूप ले सकती है। अपने मत के पक्ष में किसी एक रूप की संक्षिप्त विवेचना कीजिये। 2
According to you, caste can take many forms in politics. Briefly discuss any one form in support of your opinion.

9. आपके मतानुसार विपक्षी दल की लोकतन्त्र में क्या भूमिका होनी चाहिये? संक्षेप में लिखिये। 2
In your opinion, what should be the role of the opposition party in democracy? Write briefly.

10. यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट में देशों की तुलना किस आधार पर की गई है? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 1+1=2
On what basis are countries compared in the human development report published by UNDP? Mention any two.

11. ऐसे चार उपायों की सूची बनाइए जिससे कृषि क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार का सृजन हो सके। ½×4=2
Prepare a list of four measures that can create additional employment in the agriculture sector.

12. सकल घरेलू उत्पाद की गणना में मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को शामिल क्यों नहीं किया जाता है? विश्लेषण कीजिए। 2
Why is the value of intermediate goods not included in the calculation of Gross Domestic Product? Analyze it.

13. जब बहुराष्ट्रीय कंपनी स्थानीय कंपनी के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती है, तो इससे स्थानीय कंपनी को होने वाले लाभ बताइए। 2
When a multinational company produces jointly with a local company, so explain the benefits this will bring to the local company.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)—

Long Answer Type Questions (Answer word limit approx. 100 words)—

14. मशीन उद्योगों के युग से पहले अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में भारत की स्थिति का परीक्षण कीजिए। 3
Examine India's position in the international textile market before the age of machine industries.

अथवा/OR

भारत के प्रारंभिक उद्यमियों ने पूँजी, तकनीक और श्रमिकों के प्रबंधन को किस प्रकार विकसित किया? उदाहरण सहित समझाइये।

How did India's early entrepreneurs develop the management of capital, technology and labour? Explain with examples.

15. भारतीय कृषि में हुए प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधारों का वर्णन कीजिए। 3
Describe the technological and institutional reforms in Indian agriculture.

अथवा/OR

झूमिंग कृषि पर्यावरण के प्रतिकूल क्यों हैं? समझाइए।
Why Jhumming cultivation is harmful for environment? Explain.

16. लोकतन्त्र में आर्थिक संवृद्धि और विकास की स्थिति का विश्लेषण कीजिये। 3
Analyse the state of Economic growth and development in democracy.

अथवा/OR

'लोकतन्त्र में नागरिकों की गरिमा व आजादी में वृद्धि होती है।' इस कथन का विश्लेषण कीजिये।
'In democracy, the dignity and freedom of citizens increases.' Analyse the statement.

17. सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली को समझाइए। 3
Explain the working system of co-operative societies.

अथवा/OR

चेक क्या है? बैंक प्रणाली में चेक के महत्त्व को समझाइए। 1+2=3
What is a cheque? Explain the importance of cheque in banking system.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)—
Essay Type Questions (Answer word limit approx. 250 words)

18. 'सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है'—गाँधीजी के विचारों के आधार पर कथन को स्पष्ट कीजिए। 4
'A Satyagrahi can succeed in his struggle even with the help of non-violence alone'–Explain the statement on the basis of Gandhiji's thoughts.

अथवा/OR

महात्मा गाँधी के नेतृत्व में हुए प्रमुख आंदोलनों की विवेचना कीजिए।
Discuss the major movements led by Mahatma Gandhi.

19. भारत में केन्द्र व राज्य सरकारों में शक्ति के बँटवारे की विवेचना कीजिये। 4
Discuss the division of power between the Central and State Government in India.

अथवा/OR

संघीय शासन व्यवस्था तथा एकात्मक शासन व्यवस्था में अन्तर को स्पष्ट कीजिये।
Explain the difference between Federal Government and Unitary government.

20. दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क खानें (अ, ब) तथा स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग के केन्द्रों (स, द) को अंकित कीजिए : 1+1+1+1=4
(अ) गुआ (ब) बल्लारि (स) मुंबई (द) चेन्नई
Mark the following Iron ore mines (A, B) and Golden Quadrilateral Super Highway Centres (C, D) on the given outline map of India :
(A) Gua (B) Ballari (C) Mumbai (D) Chennai

अथवा/OR

दिए गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित कोयला खानों (अ, ब) तथा हवाई पत्तनों (स, द) को अंकित कीजिए :
(अ) सिंगरेनी (ब) रानीगंज (स) दिल्ली (द) कोलकाता
Mark the following Coal mines (A, B) and Airports (C, D) on the given outline map of India :
(A) Singareni (B) Raniganj (C) Delhi (D) Kolkata

सामाजिक विज्ञान-कक्षा-X

भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

पाठ-सार

1. 1789 ई. की फ्रांसीसी क्रान्ति और राष्ट्र का विचार–राष्ट्रवाद की प्रथम स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 ई. की फ्रांस की क्रान्ति के साथ हुई। इस क्रान्ति के फलस्वरूप प्रभुसत्ता राजतन्त्र से निकल कर फ्रांसीसी नागरिकों में केन्द्रित हो गई। इस क्रान्ति में फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिनसे फ्रांसीसी लोगों में एक सामूहिक पहचान की भावना उत्पन्न हो सकती थी; जैसे पितृभूमि, नागरिक, फ्रांसीसी तिरंगा झंडा, इस्टेट जेनरल का नाम बदलकर नेशनल असेंबली करना, शहीदों का गुणगान आदि।

1.1 फ्रांस की सेनाओं का अन्य राष्ट्रों में प्रवेश–फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने यह भी घोषणा की कि फ्रांस यूरोप के अन्य लोगों को राष्ट्रों में गठित होने में मदद देगा। जब फ्रांस की घटनाओं की खबर यूरोप के विभिन्न शहरों में पहुँची तो छात्र तथा शिक्षित मध्य वर्गों के अन्य सदस्य जैकोबिन क्लबों की स्थापना करने लगे। उनकी गतिविधियों और अभियानों ने उन फ्रेंच सेनाओं के लिए रास्ता तैयार किया जो 1790 के दशक में हालैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और इटली के बड़े इलाके में घुसीं और राष्ट्रवाद के विचार को भी विदेशों में ले जाने लगीं।

1.2 नेपोलियन बोनापार्ट–नेपोलियन बोनापार्ट ने अपने नियंत्रण वाले फ्रांस के विशाल क्षेत्र में राजतंत्र को वापस लाकर प्रजातंत्र को नष्ट किया, लेकिन प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी सिद्धान्तों का समावेश किया। उसने 1804 ई. में 'नागरिक संहिता' का निर्माण करवाया, जो 'नेपोलियन संहिता' के नाम से प्रसिद्ध है। इस संहिता ने कानून के समक्ष समानता तथा सम्पत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया। इस संहिता को फ्रांसीसी नियन्त्रण के अधीन क्षेत्रों में भी लागू किया गया। लेकिन इन क्षेत्रों के स्थानीय लोगों ने पाया कि ये नयी प्रशासनिक व्यवस्थाएँ राजनीतिक स्वतंत्रता के अनुरूप नहीं थीं। बढ़े हुए कर, सेंसरशिप और बाकी यूरोप को जीतने के लिए फ्रेंच सेना में जबरन भर्ती से हो रहे नुकसान प्रशासनिक परिवर्तनों से मिले फायदों से कहीं ज्यादा नजर आने लगे।

2. यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण–मध्य 18वीं सदी में आज के जर्मनी, इटली और स्विट्जरलैण्ड जैसे राष्ट्र-राज्य राजशाहियों, डचियों और कैंटनों में बँटे थे, जिनके शासकों के स्वायत्त क्षेत्र थे। पूर्वी और मध्य यूरोप निरंकुश राजतंत्रों के अधीन थे और इन इलाकों में तरह-तरह के लोग रहते थे, उनकी अलग-अलग भाषाएँ थीं तथा वे विभिन्न जातीय समूहों के सदस्य थे। इन तरह-तरह के समूहों को आपस में बाँधने वाला तत्त्व, केवल सम्राट के प्रति सबकी निष्ठा थी।

2.1 कुलीन वर्ग और नया मध्य वर्ग–यूरोपीय महाद्वीप में कुलीन वर्ग सर्वाधिक शक्तिशाली वर्ग था, लेकिन यह एक छोटा समूह था। कुलीन वर्ग के लोग ग्रामीण इलाकों में जायदाद और शहरों में हवेलियों के मालिक थे। राजनीतिक कार्यों व उच्च वर्गों के बीच वे फ्रेंच भाषा का प्रयोग करते थे। जनसंख्या में अधिकांश लोग कृषक थे। औद्योगिक उत्पादन एवं व्यापार में वृद्धि होने से विभिन्न शहरों में नये सामाजिक वर्गों का जन्म हुआ। ये थे–श्रमिक वर्ग और मध्य वर्ग। कुलीन वर्ग को प्राप्त विशेषाधिकारों की समाप्ति के बाद शिक्षित और उदारवादी मध्य वर्गों के बीच राष्ट्रीय एकता के विचारों का प्रचार-प्रसार हुआ।

2.2 उदारवादी राष्ट्रवाद के मायने–यूरोप के नवीन मध्य वर्ग के लिए उदारवाद का अर्थ था–लोगों के लिए स्वतंत्रता और कानून के समक्ष सभी की समानता। फ्रांसीसी क्रान्ति के पश्चात् से ही उदारवादी वर्ग राजनीतिक क्षेत्र में संविधान, संसदीय लोकतंत्र, प्रतिनिधि सरकार का समर्थक था लेकिन इस उदारवाद में मत देने और चुने जाने का अधिकार केवल सम्पत्तिवान पुरुषों को ही हासिल था। सम्पत्तिविहीन पुरुष और सभी महिलाओं को राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखा गया था। केवल थोड़े समय के लिए जैकोबिन शासन के समय सभी वयस्क पुरुषों को मताधिकार प्राप्त था। लेकिन

नेपोलियन संहिता पुनः सीमित मताधिकार वापस लायी। आर्थिक क्षेत्र में उदारवाद बाजारों की मुक्ति, व्यापार पर राज्य के नियंत्रणों की समाप्ति के पक्ष में था। 1834 में प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ जॉलरेवाइन स्थापित किया गया जिसने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया, मुद्राओं की संख्या 30 से घटाकर दो कर दी गई, रेलवे ने इसमें गतिशीलता बढ़ाई। इस प्रकार आर्थिक राष्ट्रवाद की लहर ने व्यापक राष्ट्रवादी भावनाओं को मजबूत बनाया।

2.3 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद–1815 में नेपोलियन की हार के बाद वियना सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने 1815 की वियना-सन्धि तैयार की जिसका उद्देश्य उन समस्त परिवर्तनों को समाप्त करना था जो नेपोलियन के युद्धों के दौरान हुए थे। इस सम्मेलन ने यूरोप में एक नई रूढ़िवादी व्यवस्था स्थापित कर दी, जिसमें पारम्परिक संस्थाओं–चर्च, सामाजिक भेदभाव, राजतंत्र और परिवार को बनाये रखा गया। वियना संधि के तहत बूर्बो राजवंश को शासन करने का पुनः अधिकार दे दिया गया। इस काल में स्थापित रूढ़िवादी शासन व्यवस्थाएँ निरंकुश थीं। इस नयी रूढ़िवादी व्यवस्था के आलोचक उदारवादी राष्ट्रवादी लोग प्रेस की स्वतंत्रता चाहते थे।

2.4 क्रांतिकारी–1815 के बाद के वर्षों में दमन के भय ने अनेक उदारवादियों-राष्ट्रवादियों को भूमिगत कर दिया। बहुत सारे यूरोपीय राज्यों में क्रान्तिकारियों को राजतंत्रीय संस्थाओं का विरोध करने एवं स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता का प्रशिक्षण देने और विचारों का प्रचार-प्रसार करने के लिए गुप्त संगठन उभर आए। ऐसा ही एक व्यक्ति था–इटली का क्रान्तिकारी ज्युसेपी मेत्सिनी। उसने 'यंग इटली' तथा 'यंग यूरोप' नामक दो संस्थाओं की स्थापना की। उसने एकीकृत इटली के गणराज्य के लिए एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

3. क्रान्तियों का युग : 1830-1848– फ्रांस में जुलाई, 1830 में क्रान्ति का सूत्रपात हुआ, जिसके फलस्वरूप वहाँ बूर्बो राजा की सत्ता को उखाड़कर एक संवैधानिक राजतन्त्र की स्थापना हुई। यूनान के स्वतंत्रता संग्राम ने पूरे यूरोप के शिक्षित अभिजात वर्ग में राष्ट्रीय भावनाओं का संचार किया। यह संग्राम 1821 में प्रारम्भ हो गया था। अन्त में 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतन्त्र राष्ट्र की मान्यता दी।

3.1 रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना–राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक अहम् भूमिका निभाई। कला, काव्य, कहानियों-किस्सों और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को गढ़ने और व्यक्त करने में सहयोग दिया। रूमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन था जिसने तर्क-वितर्क और विज्ञान के स्थान पर भावनाओं, अन्तर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया तथा एक साझा सामूहिक विरासत की अनुभूति व एक साझा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाने पर बल दिया। भाषा ने भी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।

3.2 भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह–19वीं सदी के प्रारंभ में यूरोप में जनसंख्या में हुई भारी वृद्धि, नगरों में भीड़-भरी गरीब बस्तियों का बनना, इंग्लैंड से आयातित कपड़े से बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा, कृषकों का सामन्ती शुल्कों और जिम्मेदारियों के तले दबना आदि कठिनाइयाँ बढ़ीं। 1845 में सिलेसिया में बुनकरों ने ठेकेदारों के विरुद्ध विद्रोह किया तथा 1848 में व्यापक बेरोजगारी के कारण पेरिस के लोग सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रीय सभा ने एक गणतंत्र की घोषणा करते हुए पुरुषों को वयस्क मताधिकार तथा काम के अधिकार की गारंटी दी। रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय कारखाने स्थापित किए गए।

3.3 1848 : उदारवादियों की क्रांति–फरवरी, 1848 में फ्रांस में पुनः क्रान्ति का सूत्रपात हुआ और वहाँ गणतन्त्र की स्थापना हुई। जर्मन इलाकों में भी 1848 में क्रान्तियाँ हुईं। फ्रेंकफर्ट की संसद ने एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया। जब निर्वाचित प्रतिनिधियों ने प्रशा के सम्राट फ्रेडरीख विल्हेम चतुर्थ को ताज पहनाने का प्रस्ताव किया, तो उसने उसे अस्वीकार कर निर्वाचित सभा के विरोधियों का साथ दिया। इस प्रकार राष्ट्रवादियों तथा उदारवादियों को असफलता का मुँह देखना पड़ा। हालाँकि रूढ़िवादी ताकतें 1848 में उदारवादी आन्दोलनों को दबा पाने में कामयाब हुईं, लेकिन वे पुरानी व्यवस्था बहाल नहीं कर पाईं।

4. जर्मनी और इटली का निर्माण–

4.1 जर्मनी का एकीकरण–1848 में मध्य वर्ग के जर्मन राष्ट्रवादी लोगों ने जर्मन महासंघ को विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र-राज्य बनाने का प्रयास किया था, लेकिन इस पहल को राजशाही और फौज की ताकत ने मिलकर दबा दिया। इसके पश्चात् जर्मनी के राष्ट्रवादियों ने प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी के एकीकरण के लिए आन्दोलन शुरू किया। प्रशा के प्रधानमन्त्री ऑटो वॉन बिस्मार्क ने 'लौह और रक्त' की नीति अपनाई और सात वर्ष की अवधि में डेन्मार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस को पराजित कर जर्मनी का एकीकरण पूरा किया। जनवरी, 1871 में नए जर्मन